संतोष श्रीवास्तव

ई-मेल-kalamkar.santosh@gmail.com

असमंजस

रोहित बाबू ने पूछा, "लड़की का नाम क्या रखा गोपाल ?"

गोपाल ने हाथ जोड़े—"नाम तो आप ही रखेंगे सरकार । आपका दिया नाम। गरीब घर की लड़की चंदा-सी चमकेगी ।"

रोहित बाबू सोचते रहे । तब तक कोठी के महाराज ने मिठाई का डिब्बा लाकर स्टूल पर रख दिया । रोहित बाबू ने मिठाई गोपाल को देते हुए कहा, "जवाकुसुम , घर में जवा बुलाना।"

गोपाल ने चमकती आँखों से डिब्बा थामा। 7 साल बाद गोपाल पिता बना है । फूलकर छाती तो चौड़ी होनी ही है।

गोपाल के जाते ही कोठी में खुसर-पुसर शुरू हो गई । बड़ी माँ ने कहा, "अरे, तुझे यह क्या सूझी रोहित ? कोठी के नौकर की लड़की को अपनी परदादी का नाम दे दिया।"

"हमें पता नहीं था बड़ी माँ परदादी का नाम। फिर बताएँ क्या रखूँ उसका नाम?" मोहनी रखने को कह दूँ?"

वंशावली मँगवाई गई । सात पुश्तें तलाशी गईं। परिवार में किसी का नाम मोहनी तो नहीं।

"हाँ, रख सकता है तू मोहनी नाम । पर तुझे क्या पड़ी है नाम रखने की?" बड़ी माँ से रोहित बाबू आँखें नहीं मिला सके । अब कैसे बताएँ कि मोहिनी उन्हीं की तो...।

श्रुत कीर्ति अग्रवाल

ई-मेल-:shrutipatna6@gmail.com

सहगामिनी

जब से रिटायर हुए हैं, रोज सुबह अपनी बालकनी में बैठकर चाय की चुस्कियों के साथ सड़क को इस छोर से उस छोर तक निहारते रहना उनका दैनिक कार्यक्रम बन चुका है। आते-जाते लोगों को देखते, उनके बारे में सोचते, समय अच्छा कट जाया करता था। अब तक तो उधर से रोज गुजरने वाले कितने ही चेहरे उनको याद होकर रह गये थे। जैसे कि दरम्यानी उम्र का वह दंपती, जो रोज नियत समय पर तेज-तेज चलता हुआ आता दीखता और फिर कदम बढ़ाते हुए आगे जाकर ओझल हो जाता। रौब-दाब वाला पति सीना फुलाकर आगे चलता था और साधारण-सी कलफदार साड़ी में लिपटी उसकी पत्नी उससे कदम मिलाकर चलने के प्रयास में, पिछड़ जाने पर अक्सर लष्टम-पष्टम दौड़ लगाकर साथ आती पर जल्दी ही फिर पिछड़ जाती। कभी-कभी पति उसकी धीमी चाल से खीझकर रुकता, वहीं खड़े होकर उसे हिकारत से घूरने लगता पर वह जल्दी से दौड़कर फिर साथ आ जाती। आज फिर उन्होंने उन लोगों को आते देखा तो ध्यान गया कि इस बार अन्यमनस्क-सी पत्नी अपने पति से कुछ आगे निकल आई थी। पहले तो वे चौंक-से गये, फिर पता नहीं क्यों, पत्नी का आगे चलना उन्हें अच्छा महसूस हुआ और उनके होंठों पर हल्की स्मित-सी दौड़ गई। पर यह क्या, वस्तुस्थिति का भान होते ही पत्नी अचानक रुक गई थी। फिर वह घूमकर पीछे चलते पति के पास आई और उसके साथ -साथ चलने लगी।